जिला अल्प बचत अधिकारी धौलपुर

(1) अल्प बचत विभाग प्रतिवेदनः–

(1.) विभाग का मुख्य उद्देश्य– विभाग का मुख्य उद्देश्य घरेलू बचतों को राष्ट्रीय बचत योजनाओं जैसे किसान विकास पत्र, राष्ट्रीय बचत पत्र, मासिक आय योजना ,सावधि जमा योजना, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना, आवर्ती जमा खाता योजना, लोक भविष्य निधी जमा योजना में विनियोजन कराने हेतु योजनाओं का प्रचार प्रसार कराना है। राष्ट्रीय बचत योजनाओं से प्राप्त होने वाली दीर्घकालीन ऋण राशि राज्य की अर्थव्यवस्था के लिये एक महत्वपूर्ण आर्थिक संसाधन है।

(2.) राष्ट्रीय बचत योजनाऐं– विनियोजन के लिये निम्नलिखित राष्ट्रीय अल्प बचत योजनायें उपलब्ध हैं–

1.	डांकघर बचत योजना	ब्याज दर 4 प्रतिशत
2.	डांकघर सावधि जमा खाता	
	एक वर्षीय	6.25 प्रतिशत
	दो वर्षीय	6.50 प्रतिशत
	तीन वर्षीय	7.25 प्रतिशत
	पांच वर्षीय	7.50 प्रतिशत
3.	पांच वर्षीय डांकघर आवर्ती जमा खाता	7.50 प्रतिशत
4.	डाकघर मासिक आय योजना	8 प्रतिशत
5.	किसान विकास पत्र	8 साल 7 माह में दुगना
6.	लोक भविष्य निधि योजना	8 प्रतिशत
9.	वरिष्ठ नागरिक बचत योजना	9 प्रतिशत

(2.) अल्प बचत संग्रहण की प्रगति–

अल्प बचत शुद्ध संग्रहण के वार्षीक लक्ष्यों का निर्धारण राज्य सरकार के द्वारा वर्ष के प्रारम्भ में किया जाता है। जिले को प्राप्त लक्ष्यों का सभी विभागों एवं अल्प बचत अभिकर्ताओं को आबंटित कर प्रगति की लगातार समीक्षा की जाती है । विगत तीन वर्षों एवं चालू वित्तीय वर्ष में अल्प बचत संग्रहण की उपलब्धि का प्रगति विवरण निम्नानुसार है–

वर्ष	लक्ष्य लाखों में	शुद्ध संग्रहण	प्रतिशत्
2004–05	8400	8483	101
2005–06	7300	2190	30
2006–07	7300	2040	28
2007–08	अप्राप्त	(–) 218.94	(–) 2.99

(3.) अभिकर्ताओं की नियुक्ति–

विनियोजकों को राष्ट्रीय वचत योजनाओं की जानकारी देने तथा अल्प बचत संग्रहण को बढावा देने तथा इसका संदेश जन जन तक पहुचाने के लिये अभिकर्ता सम्भावित विनियोजकों से सम्पर्क कर विनियोजन के लिये प्रोत्साहित करते है। जिले में वर्तमान कार्यरत अभिकर्ताओं का विविरण निम्नानुसार है।

1.	अधिकृत अभिकर्ता	145
2.	महिला प्रधान अभिकर्ता	243
3.	लोक भविष्य निधि अभिकर्ता	13

नये अभिकर्ता बनाने के लिये विभाग द्वारा सूचना जारी की जाती है तथा नये आवेदन पत्र प्राप्त होने पर जिला कलक्टर महोदय की स्वीकृति लेकर अभिकर्ता को एजेन्सी जारी कर दी जाती है। विभाग द्वारा अभिकर्ताओं की बैठक ली जाती है तथा लक्ष्यों की प्राप्ती में अभिकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।